

REGULAR CRYSTAL SHEET WALL CALENDAR SIZE:20"X30"

Collection : 2021



Introducing Printman's Regular Crystal Sheet wall calendar, setting a new standard for elegance and sophistication. Crafted from a metalized crystal sheet, this product exudes luxury. With advanced 5-color UV offset printing and metallic effects, we ensure stunning and vibrant prints. Available in tin mounting / Individual rod on top & bottom. Elevate your prints with Printman's Regular quality crystal sheet.

शुभ

लाभ



पार्वती जी गणेश जी तारी



वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभः । निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्व कार्येषु सर्वदा ॥



जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा । माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा ॥ जय० ॥
 एकदन्त दयावन्त, चार भुजा धारी । मस्तक सिन्दूर सोहे, मूसे की सवारी ॥ जय० ॥
 पान चढ़े, फूल चढ़े और चढ़े मेवा । लड्डुअन का भोग लगे, सन्त करें सेवा ॥ जय० ॥
 अन्धन को आँख देत, कोढ़िन को काया । बौझन को पुत्र देत, निर्धन को माया ॥ जय० ॥
 सूरश्याम शरण आये सुफल कीजे सेवा । दीनन की लाजराखो शम्भु-सुत वारी ॥ जय० ॥
 कामना को पूरा करो जग बलिहारी । जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा ॥ जय० ॥

AVAILABLE IN :

402

20" x 30" (Regular Crystal)
 (Aarti)



JANUARY	FEBRUARY	MARCH	APRIL	MAY	JUNE
31 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	28 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 * * * * *	31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	30 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29	30 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30
JULY	AUGUST	SEPTEMBER	OCTOBER	NOVEMBER	DECEMBER
31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	30 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	30 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31

HOLIDAYS 2022 JANUARY - 13th Lohri - 14th Makar Sankranti - 28th Republic Day FEBRUARY - 17th Bhaat Purnima - 29th Pongal Day JAYANT MARCH - 18th Maha Navami - 19th Ashi-Fat - 21st Nal - 22nd Chhath - 20th Good Friday APRIL - 14th Good Friday - 15th Good Friday - 16th Good Friday - 17th Good Friday - 18th Good Friday - 19th Good Friday - 20th Good Friday - 21st Good Friday - 22nd Good Friday - 23rd Good Friday - 24th Good Friday - 25th Good Friday - 26th Good Friday - 27th Good Friday - 28th Good Friday - 29th Good Friday - 30th Good Friday - 31st Good Friday MAY - 1st Good Friday - 2nd Good Friday - 3rd Good Friday - 4th Good Friday - 5th Good Friday - 6th Good Friday - 7th Good Friday - 8th Good Friday - 9th Good Friday - 10th Good Friday - 11th Good Friday - 12th Good Friday - 13th Good Friday - 14th Good Friday - 15th Good Friday - 16th Good Friday - 17th Good Friday - 18th Good Friday - 19th Good Friday - 20th Good Friday - 21st Good Friday - 22nd Good Friday - 23rd Good Friday - 24th Good Friday - 25th Good Friday - 26th Good Friday - 27th Good Friday - 28th Good Friday - 29th Good Friday - 30th Good Friday - 31st Good Friday JUNE - 1st Good Friday - 2nd Good Friday - 3rd Good Friday - 4th Good Friday - 5th Good Friday - 6th Good Friday - 7th Good Friday - 8th Good Friday - 9th Good Friday - 10th Good Friday - 11th Good Friday - 12th Good Friday - 13th Good Friday - 14th Good Friday - 15th Good Friday - 16th Good Friday - 17th Good Friday - 18th Good Friday - 19th Good Friday - 20th Good Friday - 21st Good Friday - 22nd Good Friday - 23rd Good Friday - 24th Good Friday - 25th Good Friday - 26th Good Friday - 27th Good Friday - 28th Good Friday - 29th Good Friday - 30th Good Friday - 31st Good Friday

AVAILABLE IN :

20" x 30" (Regular Crystal)
(Date)

403



श्री लक्ष्मी वन्दना

महालक्ष्मि नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं सुरेश्वरि
हरिप्रिये नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं ययानिधि
नमस्तोऽस्तु महाभागे श्रीपते सुरप्रजिते
शंखचक्रगदाहस्ते महालक्ष्मि नमोऽस्तु ते
नमस्ते गरुडाकटे कोलासुरभयंदुरि
सर्व पापहरे देवि महालक्ष्मि नमोऽस्तु ते
सर्वज्ञे सर्ववरदे सर्वबुध्द भयंदुरि
सर्वदुःखहरे देवि महालक्ष्मि नमोऽस्तु ते
शिद्विबुद्धिप्रदे देवि भक्तिभुक्तिप्रदायिनि
मन्त्रपुते सदा देवि महालक्ष्मि नमोऽस्तु ते

आरती श्री लक्ष्मी जी की

ओ३म् जय लक्ष्मी माता, मेया जय लक्ष्मी माता। तुमको निरादिन सेवत, हर विष्णु धाता ॥ ओ३म् ॥
उमा, रमा, ब्रह्मणी, तुम ही जगन्माता। सूर्य-चन्द्रना ध्यावत, नारद ऋषि गाता ॥ ओ३म् ॥
दुर्गा रूप निरंजनि, सुख-सम्पत्ति-दाता। जो कोई तुमको ध्यावत, ऋद्धि-शिद्धि धन पाता ॥ ओ३म् ॥
तुम पाताल-निकासिनि, तुम ही शुभ दाता। कर्म-प्रभाव प्रकाशनि, भवनिधि जी जाता ॥ ओ३म् ॥
जिस घर मैं तुम रहती, तहाँ सब सद्गुण आता। सब सम्पन्न हो जाता, मन नहीं चरता ॥ ओ३म् ॥
तुम बिन यज्ञ न होते, वस्त्र न कोई पाता। खान-पान का वैभव, सब तुमसे आता ॥ ओ३म् ॥
शुभ-गुण-भण्डिर सुन्दर, क्षीरोदधि-जाता। रतन चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता ॥ ओ३म् ॥
महालक्ष्मी जी की आरती, जो कोई जन गाता। उर आनन्द समाता, पाप उतर जाता ॥ ओ३म् ॥
जहाँ तक चरण तेरे पहुँचे, घर शुभ हो जाता। मैं सेवक मेघा की शुभ दृष्टि चाहता ॥ ओ३म् ॥

AVAILABLE IN :

20" x 30" (Regular Crystal)
(Aarti)

404



श्री लक्ष्मी चन्दना

आरती श्री लक्ष्मी जी की

महालक्ष्मि नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं सुरेश्वरि ।
हरिप्रिये नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं दयानिधे ।
नमस्तेऽस्तु महामाये श्रीपीठे सुरभूजिते ।
शंखचक्रागदाहस्ते महालक्ष्मि नमोऽस्तु ते ।
नमस्ते सरुङ्गारुढे कोलासुरमयंजुहि ।
सर्व पापहारे देवि महालक्ष्मि नमोऽस्तु ते ।
सर्वज्ञे सर्वेश्वरदे सर्वदुष्ट भयंजुहि ।
सर्वदुःखहारे देवि महालक्ष्मि नमोऽस्तु ते ।
शिष्टिमुद्दिप्रदे देवि भक्तिमुक्तिप्रदायिनि ।
मन्त्रपुत्रे सदा देवि महालक्ष्मि नमोऽस्तु ते ।

ओ३म् जय लक्ष्मी माता, मैषा जय लक्ष्मी माता । तुमको निरदिन सेवत, हर विष्णु भाता ॥ ओ३म् ॥
उषा, रमा, ब्रह्मणी, तुम ही जग-माता । शूर्प-चन्दमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता ॥ ओ३म् ॥
दुर्गा रूप निरंजनि, सुख-सम्पत्ति-दाता । जो कोई तुमको ध्यावत, ऋद्धि-सिद्धि धन गाता ॥ ओ३म् ॥
तुम पाताल-निराश्रित, तुम ही शुभ दाता । कर्म-प्रभाव प्रकाशित, भवनिधि की जाता ॥ ओ३म् ॥
जिस घर में तुम रहती, तहें सब सदगुण आता । सब सम्पद हो जाता, मन नहीं धरता ॥ ओ३म् ॥
तुम जिन यज्ञ न होते, वस्त्र न कोई पाता । खान-पान का वैभव, सब तुमसे आता ॥ ओ३म् ॥
शुभ-गुण-मन्दिर बुन्दर, क्षीरोदधि-जाता । रतन चतुर्वर्ग तुम बिन, कोई नहीं पाता ॥ ओ३म् ॥
महालक्ष्मी जी की आरती, जो कोई जन गाता । उर आनन्द समाना, पाप उतर जाता ॥ ओ३म् ॥
जहाँ तक चरण तेरे पहुँचे, घर शुभ हो जाता । मैं सेवक मैषा की शुभ दृष्टि चाहता ॥ ओ३म् ॥

AVAILABLE IN :

20" x 30" (Regular Crystal)
(Aarti)

405



श्री हनुमान चालीसा

भीष्म बल शूलर रज, निज मनु मुकुट मुचरि । बरनई सुख विनाय जयु, जो दावकु फल पारि ॥ बुढ़ीसैन हनु जानिके, गुणोसैं भवन-कुमार । बल बुढ़ि विना देहु कोई, हनु कतेक विचार ॥
 जय हनुमान कृपुन मुन सागर । मुकुट भव विभीषन भव । जसो होम होरे सब पीस । जय विनाय हनुमत पीस । भवन जयन के मुख मिरसो ॥
 जय कबीर निहो लीक उज्जर । किकट रूप धरि मोक अरज । जस सागर जीवन धर । सकट हो हनुमान सुखी । जस काल सुख पुर जाई ॥
 राम बल जगजिह बल - माया । सीम रूप धरि अंगुर सिंहर । लखन कल मनु कल जय । राम जयन जयन जो जय । जसो जयन करि मोक करी ॥
 अंगति पुण चरनसुत नाम । राघवदत्त जो काल सार । सब पर राम उपवीर राम । और देखत कि न धर । और देखत कि न धर ॥
 मरुतीर विमान कलसी । श्री हनुमीर कृपि पर साहे । जसो लीकित गा अकबर कलि । किना फल सागत तुम फल । हनुमा संत सब सुख करी ॥
 सुभीत विनाय मुनीति जे गंगी । श्री हनुमीर कृपि पर साहे । दुख कल जयन के जे । और मनोरथ जो कोई जाते । सकट कट भिट राम पीस ॥
 कंचन करन विराजत सुवैरा । दुख नम सिंग परलखि राम साहे । दुख अंगुरा मुकुट सेवे । और अति लीन बल पावे । जो सुनिरे हनुमान कसीस ॥
 जयन कडन मुचिह डेना । राम बल जयन विनाय । राम दुखारे मुन सखार । जे काल दुख परलखत मुकल । जे जे जे हनुमान लखी ॥
 राम बल जो जयना विनाय । जस कलि कलीति कल भवनी । होत न जसो विनु वैरा । है परब्रह्म जयन अखर । जय करु मुन देव जो नी ॥
 सीते सैज जयन साहे । राम बल जयन विनाय । राम मुन जके तुमारी राघव । राम संत जे तुम सखार । जो सा बार पल मन कोई ॥
 सांकर मुचन कसीर नवन । राम सागर ललित कलीसा । राम लख जयन के जय न । जसु निरपेक्ष राम दुखार । सुखी धरि राम मुन होई ॥
 देव छापर मा जय नवन । राम मुन विनाय जही जे । जयन सैज सखारी जय । जय विधि नो विधि के रस । जो सब पड़े हनुमान कसीस ॥
 विराजत मुनि जति सागर । मरि कलिकर कलि सब कलि हो । राम सैज जयनी पल । राम सखार मुकुट परल । राम विधि जयनी चरीस ॥
 राम जयन कलिकर । राम जयन कलिकर । राम जयन कलिकर । राम जयन कलिकर । राम जयन कलिकर ॥

नोट: उपरोक्त चालीसा हनुमान, भगवान् श्री राम । राम लखन सीता कलिकर, जयन कलिकर मुन भव ।

AVAILABLE IN :

20" x 30" (Regular Crystal)
(Chalisa)

407



आरती श्री अम्बा जी की

जय अम्बे गौरी, मैया जय ख्यामा	गौरी को	तुमको निशिदिन ध्यावत, हरि भद्रा शिवरी	॥ जय अम्बे ॥
मांग सिन्दूर विराजत, डीको गुग्गुलु	को	उज्जवल से दोह नैना, चन्द्र वदन नीको	॥ जय अम्बे ॥
कनक समान कलेश्वर रक्ताम्बर	राजे	रक्त पुष्प मल माला, कण्ठ पर साजे	॥ जय अम्बे ॥
केहरि वाहन राजत, खड्ग खम्पर	धारी	सुर नर मुनि जन सेवत, तिनके दुख हारी	॥ जय अम्बे ॥
कानन गुण्डल शोभित, नासायो	गौरी	कोटिक चन्द दियाकर, राजत राम ज्योति	॥ जय अम्बे ॥
शुम्भ-निशुम्भ विदार, महिषासुर	घाली	धूम्रविलोचन नैना निशिदिन मदमाली	॥ जय अम्बे ॥
चण्ड - मुण्ड संहारे, शोणित बीज	हरे	मधु कैंटम दोह मारे, सुर-भयहीन करे	॥ जय अम्बे ॥
ब्रह्माणी रुद्राणी, तुम कमला	शानी	आगम-निगम-बखानी, तुम शिव पटरानी	॥ जय अम्बे ॥
चौराट योगिनि गावत, नृत्य करत	भेरी	बाजत ताल पुदंगा, और बाजत डमरु	॥ जय अम्बे ॥
तुम ही जग की माता, तुम ही हो	भरता	भक्तन की दुख हरता, सुख-सम्पत्ति करता	॥ जय अम्बे ॥
पुजा चार अति शोभित, घर - मुझ	धारी	मनमोहिन फल भावत, सेवत नर-नारी	॥ जय अम्बे ॥
कंचन घाल विराजत, अमर कपूर	धारी	श्री मालकेश्वर मैं राजत, कोटि रतन ज्योति	॥ जय अम्बे ॥
मैं अम्बे जी की आरती, जो कोई नर गावे		कहत शिवानन्द स्वामी, सुख-सम्पत्ति पावे	॥ जय अम्बे ॥

AVAILABLE IN :

20" x 30" (Regular Crystal)
(Aarti)

409



महामृत्युञ्जय मंत्र

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिं वर्धनम् ।
उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात् ॥

भावार्थ :- हम मृत्युञ्जय शंकर की पूजा करते हैं, जिनके तीन नेत्र हैं, जो प्रत्येक रूपास में जीवन शक्ति का संचार करते हैं, जो सम्पूर्ण जगत् का पालन पोषण अपनी शक्ति से कर रहे हैं। उनसे हमारी प्रार्थना है कि वे हमें मृत्यु के बन्धनों से मुक्त कर दें, जिससे मोक्ष की प्राप्ति हो जाए, जिस प्रकार एक ककड़ी बेल में पक जाने के बाद उस बेल रूपी संसार के बन्धन से मुक्त हो जाती है उसी प्रकार हम भी इस संसार रूपी बेल में पक जाने के बाद जन्म-मृत्यु के बन्धनों से सदैव के लिए मुक्त हो जाएँ और आपके धरणी की अमृताधारा का पान करते हुए शरीर को व्याप कर आप में लीन हो जाएँ।

मन्त्र लाभ :- यह मंत्र जीवन प्रदान करता है। (अकाल मृत्यु, दुर्घटना इत्यादि) यह मंत्र सर्प एवं विन्ध्य के काटने पर भी अपना घृण प्रभाव रखता है। इस मंत्र का महत्वपूर्ण लाभ है कठिन एवं असाध्य रोगों पर विजय प्राप्त करना। यह मंत्र हर बीमारी को भगाने का बड़ा साधन है।



AVAILABLE IN :

20" x 30" (Regular Crystal)
(Mahamritunjaya Mantra)

411

ॐ नमः शिवाय



महामृत्युञ्जय मंत्र



ॐ त्र्यंबकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टि वर्धनम् ।
उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात् ॥



भावार्थ :- हम भगवान् शंकर की पूजा करते हैं, जिनके तीन नेत्र हैं, जो प्रत्येक स्थान में जीवन शक्ति का संचार करते हैं, जो सम्पूर्ण जगत का पालन पोषण अपनी शक्ति से कर रहे हैं। हमसे हमारी प्रार्थना है कि वे हमें मृत्यु के बन्धनों से मुक्त कर दें, जिससे मोक्ष की प्राप्ति हो जाए, जिस प्रकार एक ककड़ी बेल में पक जाने के बाद उस बेल रूपी संस्कार के बन्धन से मुक्त हो जाती है उसी प्रकार हम भी इस संसार रूपी बेल में पक जाने के बाद जन्म मृत्यु के बन्धनों से सदैव के लिए मुक्त हो जाएँ और आपके चरणों की जमूलाभा का पाव करते हुए शरीर को त्याग कर आप में लीन हो जाएँ।

मन्त्र लाभ :- ♦ यह मंत्र जीवन प्रदान करता है। (अकाल मृत्यु, दुर्घटना इत्यादि) ♦ यह मंत्र सर्वे एवं विषयों के कष्टों पर भी अपना घुरा प्रभाव रखता है।
♦ इस मंत्र का महत्वपूर्ण लाभ है कठिन एवं असह्य रोगों पर विजय प्राप्त करना। ♦ यह मंत्र हर बीमारी को भगने का बड़ा शस्त्र है।



AVAILABLE IN :

20" x 30" (Regular Crystal)
(Mahamritunjaya Mantra)

412



JANUARY	FEBRUARY	MARCH	APRIL	MAY	JUNE
31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	28 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 + + + + +	26 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	25 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	30 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29	19 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30
JULY	AUGUST	SEPTEMBER	OCTOBER	NOVEMBER	DECEMBER
26 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	22 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	26 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	24 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	28 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	26 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31

HOLIDAYS 2027 JANUARY - 13th Luni - 14th Makar Sankranti - 20th Republic Day FEBRUARY - 19th Shivaratri Panchami - 20th Rava Das Jyesthi MARCH - 8th Maha Shivratri - 10th Holi - 21st Holi - 22nd Chhathis - 30th Good Friday APRIL - 14th Good Friday MAY - 15th Vaisakhi Jyesthi MAY - 17th Holi - 20th Rava Das Jyesthi MAY - 18th Holi - 21st Holi - 22nd Chhathis - 30th Good Friday JUNE - 14th Good Friday JULY - 14th Good Friday AUGUST - 14th Good Friday SEPTEMBER - 14th Good Friday OCTOBER - 14th Good Friday NOVEMBER - 14th Good Friday DECEMBER - 14th Good Friday

AVAILABLE IN :

20" x 30" (Regular Crystal)
(Date)

413



आरती श्री रामचन्द्र जी की

श्रीरामचन्द्र रघुपुङ्गव राजवर्ष राजेन्द्र राम रघुनाथिक राघवेश । राजाधिराज रघुनन्दन रामचन्द्र दासीऽहमद्य भवतः शरणागतोऽस्मि ॥

श्री रामचन्द्र कृपालु भजु मन, हरण भव भय दारुणम् । नवकंज लोचन, कंज-मुख कर-कंज पद-कंजारुणम् ॥१॥

कन्दर्प अगणित अमित छवि, नवनील-नीरद-सुन्दरम् । पटपीत मानहु तडित रूषि सुवि नौमी जनक सुता-वरम् ॥२॥

भजु दीनबन्धु दिनेश दानव - दैत्यवंश - निकन्दनम् । रघुनन्द आनन्दकंद कौशलचद्र दशरथ - नन्दनम् ॥३॥

शिर मुकुट कुण्डल तिलक चारु उदार अंग विभूषणम् । आजानु भुजा शर-चाप-धर संग्राम-जित-खर - दूषणम् ॥४॥

इति वदति तुलसीदास शंकर - शेष - मुनि - मन - रंजनम् । मम हृदय कंज निवास कुरु कामादि-खल-दल-गंजनम् ॥५॥

मम कुरु मन जाहि राघ्यो मिलहि सो वर सहज सुन्दर सांवरो । करुणा निधान सुजान शील रनेह जानत रावरो ॥६॥

एहि भाति असीस सुनी सिय सहित हिय हरषित अली । तुलसी भवनिहि पुजि पुनि पुनि मुदित मन मन्दिर चली ॥७॥

● सोरठा- जानि गोपी अनुकूल सिय हिय हरपु न जाई कहि । मंजुल मंगल मूल याम अंग फरकन लगै ॥ ●

AVAILABLE IN :

20" x 30" (Regular Crystal)
(Aarti)

414



श्रीराम

आरती श्री राम लला की

आरती कीजै श्रीराम लला की ॥ मृग निपुण धनुर्वेद कला की ॥ धनुष बान कर सोहत नीके ॥ शोभा कोटि मदन मद फीके ॥
 सुभग सिंहसन आप बिराजै ॥ वाम भाग वेदेही राजै ॥ कर जोरे रिपुहन हनुमाना ॥ भरत लखन सेवत बिधि नाना ॥
 शिव अज नारद गुन गन गावै ॥ निगम नेति कह पार न पावै ॥ नाम प्रभाव सकल जग जानै ॥ शेष महेश गनेस बखानै ॥
 भगत कामतरु पूरणकामा ॥ दया क्षमा करुना गुन धामा ॥ सुग्रीवहूँ को कपिपति कीन्हा ॥ राज विभीषन को प्रभु दीन्हा ॥
 खेल खेल महु सिंधु बघाये ॥ लोक सकल अनुग्रह यश छाये ॥ दुर्गम गढ़ लंका पति मारे ॥ सुर नर मुनि सबके भय दारे ॥
 देवन थापि सुजस विस्तारे ॥ कोटिक दीन मलीन उधारे ॥ कपि केवट खग निराधर करे ॥ करि करुना दुःख दोष निवारे ॥
 दैत सदा दासक को माना ॥ जगत पूज भे कपि हनुमाना ॥ आरत दीन सदा सत्कारे ॥ तिहुपुर होत राम जयकारे ॥
 कौसल्यादि सकल महतारी ॥ दशरथ आदि भगत प्रभु झारी ॥ सुर नर मुनि प्रभु गुन गन गाई ॥ आरति करत बहुत सुख पाई ॥
 घुप दीप चन्दन नैवेदा ॥ मन दुढ़ करि नहि कवनव भेदा ॥ राम लला की आरती गावे ॥ राम कृपा अमित फल पावे ॥

AVAILABLE IN :

416

20" x 30" (Regular Crystal)
(Aarti)



ॐ आरती जय जगदीश हरे ॐ

ॐ जय जगदीश हरे, स्वामी जय जगदीश हरे, भक्त जनो के संकट, क्षण में दूर करे ॥ ॐ ॥
 जो ध्यावे फल पावे, दुःख बिन से मन का ॥ प्रभु ॥ सुख-सम्पत्ति घर आवे, कष्ट मिटे लन का ॥ ॐ ॥
 मात-पिता तुम मेरे, शरण गहूँ मैं किसकी ॥ प्रभु ॥ तुम बिन और न दूजा, आस करूँ जिसकी ॥ ॐ ॥
 तुम पूरण परमात्मा, तुम अन्तर्यामी ॥ प्रभु ॥ पारब्रह्म परमेश्वर, तुम सबके स्वामी ॥ ॐ ॥
 तुम करुणा के सागर, तुम पालन कर्ता ॥ प्रभु ॥ मैं भूख खल कामी, कृपा करो भर्ता ॥ ॐ ॥
 तुम हो एक अगोचर, सबके प्राणपति ॥ प्रभु ॥ किस विधि मिलूँ दयामय, तुमको मैं कुमति ॥ ॐ ॥
 दीन बन्धु दुःख हरता, तुम रक्षक मेरे ॥ प्रभु ॥ अपने हाथ उठाओ, द्वार पड़ा तेरे ॥ ॐ ॥
 विषय विकार मिटाओ, पाप हरो देवा ॥ प्रभु ॥ श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ, सन्तन की सेवा ॥ ॐ ॥
 लन, मन, धन सब कुछ है तेरा ॥ प्रभु ॥ तेरा तुझको अर्पण, क्या लागे मेरा ॥ ॐ ॥

AVAILABLE IN :

418

20" x 30" (Regular Crystal)
(Aarti)



ॐ आरती जय जगदीश हरे ॐ

ॐ जय जगदीश हरे, स्वामी जय जगदीश हरे, भक्त जनो के संकट, क्षण में दूर करे ॥ ॐ ॥
जो ध्यावे फल पावे, दुःख बिन से मन का ॥ प्रभु ॥ सुख-सम्पत्ति घर आवे, कष्ट मिटे तन का ॥ ॐ ॥
मात-पिता तुम मेरे, शरण गहूँ मैं किसकी ॥ प्रभु ॥ तुम बिन और न दूजा, आस करूँ जिसकी ॥ ॐ ॥
तुम पूरण परमात्मा, तुम अन्तर्यामी ॥ प्रभु ॥ पारब्रह्म परमेश्वर, तुम सबके स्वामी ॥ ॐ ॥
तुम करुणा के सागर, तुम पालन कर्ता ॥ प्रभु ॥ मैं मूर्ख खल कामी, कृपा करो भर्ता ॥ ॐ ॥
तुम हो एक अगोचर, सबके प्राणपति ॥ प्रभु ॥ किस विधि मिलूँ दयामय, तुमको मैं कुमति ॥ ॐ ॥
दीन बन्धु दुःख हरता, तुम रक्षक मेरे ॥ प्रभु ॥ अपने हाथ उठाओ, द्वार पड़ा तेरे ॥ ॐ ॥
विषय विकार मिटाओ, पाप हरो देवा ॥ प्रभु ॥ श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ, सन्तन की सेवा ॥ ॐ ॥
तन, मन, धन सब कुछ है तेरा ॥ प्रभु ॥ तेरा तुझको अर्पण, क्या लागे मेरा ॥ ॐ ॥

AVAILABLE IN :

419

20" x 30" (Regular Crystal)
(Aarti)



JANUARY ☼ 1 31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	FEBRUARY ☼ 2 28 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 * * * * *	MARCH ☼ 3 31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	APRIL ☼ 4 30 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	MAY ☼ 5 31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29	JUNE ☼ 6 30 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30
JULY ☼ 7 31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	AUGUST ☼ 8 31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	SEPTEMBER ☼ 9 30 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	OCTOBER ☼ 10 31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	NOVEMBER ☼ 11 30 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	DECEMBER ☼ 12 31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31

HOLIDAYS 2027 JANUARY - 13th Luni - 14th Makar Sankranti - 26th Republic Day FEBRUARY - 19th Bhaat Panchmi - 28th Pongal Jayanti MARCH - 8th Maha Navami - 10th Gudi Festival - 21st Good Friday APRIL - 14th Good Friday 14th Good Friday Jayanti - 15th Pongal Jayanti - 19th Mahanavami MAY - 17th Gudi Festival - 20th Bhaat Panchmi JUNE - 16th Bhaat Panchmi - 19th Good Friday - 20th Good Friday Jayanti - 21st Good Friday Jayanti - 22nd Good Friday Jayanti - 23rd Good Friday Jayanti - 24th Good Friday Jayanti - 25th Good Friday Jayanti - 26th Good Friday Jayanti - 27th Good Friday Jayanti - 28th Good Friday Jayanti - 29th Good Friday Jayanti - 30th Good Friday Jayanti - 31st Good Friday Jayanti

AVAILABLE IN :

**20" x 30" (Regular Crystal)
(Date)**

420



आरती श्री कुंज बिहारी जी की

आरती कुंजबिहारी की। श्रीगिरधर कृष्णमुरारी की ॥ (टेक) गले में बैजंतीमाला, बजावे मुरलि मधुर बाला ॥
 श्रवण में कुण्डल झलकाला, नंद के आनन्द नन्दलाला ॥ श्रीगिरधर कृष्णमुरारी की ॥
 गगन सम अंग कांति काली, राधिका चमक रही आली, लतन में ठाढ़े बनमाली, भ्रमर-सी अलक,
 करसुरी-तिलक, चन्द - सी झलक, ललित छवि स्यामा प्यारी की ॥ श्रीगिरधर कृष्णमुरारी की ॥
 कानकमय मोर-मुकुट बिलसे, देवता दरसन कों तरसे, गगन सों सुमन रासि बरसे, बजे मुरचंग,
 मधुर निरवंग, ग्वालिनी संग, अतुल रति गोपकुमारीकी ॥ श्रीगिरधर कृष्णमुरारी की ॥
 जहाँ ते प्रकट भाई गंगा, सकल-मल-हारिणि श्रीगंगा, स्मरण ते होत मोह-भंगा, बसी सिव सीस,
 जटा के बीच, हरे अघ कीच, चरन छवि श्री बनवारी की ॥ श्रीगिरधर कृष्णमुरारी की ॥
 चमकती उज्ज्वल तट रेनु, बज रही बुन्दावन वेनु, चहुँ दिशि गोवि ग्वाल धेनु, हैंसत मुवु मंद,
 चौदनी चंद, कटत भव-फंद, टेर सुनु दीन दुखारी की ॥ श्रीगिरधर कृष्णमुरारी की ॥
 आरती कुंजबिहारी की। श्रीगिरधर कृष्णमुरारी की ॥ श्रीगिरधर कृष्णमुरारी की ॥

AVAILABLE IN :

**20" x 30" (Regular Crystal)
(Aarti)**

421



श्री स्वादृश्याम बाबा की आरती

ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे। स्वादू धाम विराजत, अनुपम रूप धरें । श्री-जय श्री श्याम हरे, बाबा-जय श्री श्याम हरे ।
रत्न जडित सिंहासन, शिर पर चंवर धुरे। तन केंसरिया बागो, कुण्डल श्रवण पड़े । श्री-जय श्री श्याम हरे, बाबा-जय श्री श्याम हरे ।
गल पुष्पो की माला, शिर पर मुकुट धरें। खेचत धूप अग्नि पर, दीपक ज्योति जले । श्री-जय श्री श्याम हरे, बाबा-जय श्री श्याम हरे ।
मोदक खीर चूरमा, सुवर्ण बाल भरे। सेवक भोग लगावत, सेवा निरय करे । श्री-जय श्री श्याम हरे, बाबा-जय श्री श्याम हरे ।
झांझ कटोरा और घडियावल, शंख मुदंग धुरे। भवत आरती गावें, जय-जयकार करे । श्री-जय श्री श्याम हरे, बाबा-जय श्री श्याम हरे ।
जो ध्यावें फल पावें, सब दुःख से उचरें। सेवक जन निज मुख से, श्री श्याम-श्याम उचरें । श्री-जय श्री श्याम हरे, बाबा-जय श्री श्याम हरे ।
श्री श्याम बाबा जी की आरती, जो कोई नर गावें। कहत भक्त-जन, मनवांछित फल पावें । श्री-जय श्री श्याम हरे, बाबा-जय श्री श्याम हरे ।
जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे। निज भक्तों के तुमने, पूरण काज करे । श्री-जय श्री श्याम हरे, बाबा-जय श्री श्याम हरे ।
ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे। स्वादू धाम विराजत, अनुपम रूप धरें । श्री-जय श्री श्याम हरे, बाबा-जय श्री श्याम हरे ।

॥ चोली लखदातार की जय ॥

AVAILABLE IN :

20" x 30" (Regular Crystal)
(Aarti)

422



JANUARY ☼ 4	FEBRUARY ☼ 5	MARCH ☼ 5	APRIL ☼ 4	MAY ☼ 3	JUNE ☼ 3
31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	28 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 * * * *	31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	30 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29	30 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30
JULY ☼ 4	AUGUST ☼ 5	SEPTEMBER ☼ 4	OCTOBER ☼ 4	NOVEMBER ☼ 3	DECEMBER ☼ 3
31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	30 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	30 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31

HOLIDAYS 2027 JANUARY - 13th Luni - 14th Makar Sankranti - 26th Republic Day FEBRUARY - 17th Bussant Panchmi - 28th Pongal Jayanti MARCH - 8th Maha Shivratri - 10th Gudi Festival - 21st Good Friday APRIL - 14th Good Friday 14th Good Friday Jayanti - 15th Pongal - 16th Makar Jayanti MAY - 17th Gudi Festival - 18th Good Friday - 19th Good Friday Jayanti - 20th Good Friday - 21st Good Friday - 22nd Good Friday - 23rd Good Friday - 24th Good Friday - 25th Good Friday - 26th Good Friday - 27th Good Friday - 28th Good Friday - 29th Good Friday - 30th Good Friday - 31st Good Friday JUNE - 1st Good Friday - 2nd Good Friday - 3rd Good Friday - 4th Good Friday - 5th Good Friday - 6th Good Friday - 7th Good Friday - 8th Good Friday - 9th Good Friday - 10th Good Friday - 11th Good Friday - 12th Good Friday - 13th Good Friday - 14th Good Friday - 15th Good Friday - 16th Good Friday - 17th Good Friday - 18th Good Friday - 19th Good Friday - 20th Good Friday - 21st Good Friday - 22nd Good Friday - 23rd Good Friday - 24th Good Friday - 25th Good Friday - 26th Good Friday - 27th Good Friday - 28th Good Friday - 29th Good Friday - 30th Good Friday - 31st Good Friday

AVAILABLE IN :

20" x 30" (Regular Crystal)
(Date)

423



JANUARY	FEBRUARY	MARCH	APRIL	MAY	JUNE
31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	28 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 * * *	31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	30 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29	30 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30
JULY	AUGUST	SEPTEMBER	OCTOBER	NOVEMBER	DECEMBER
31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	30 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	30 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31

HOLIDAYS 2027 JANUARY - 13th Luni - 14th Makar Sankranti - 20th Republic Day FEBRUARY - 11th Basant Panchmi - 20th Ram Das Jayanti MARCH - 18th Maha Shivaratri - 19th Holi - 22nd Good Friday APRIL - 14th Good Friday - 14th Anantashayam Jayanti - 15th Ram Navami - 18th Mahanavadi Jayanti MAY - 17th Holi - 22nd Good Friday - 20th Ram Das Jayanti JUNE - 14th Anantashayam Jayanti - 15th Ram Navami - 18th Mahanavadi Jayanti JULY - 14th Anantashayam Jayanti - 15th Ram Navami - 18th Mahanavadi Jayanti AUGUST - 14th Anantashayam Jayanti - 15th Ram Navami - 18th Mahanavadi Jayanti SEPTEMBER - 14th Anantashayam Jayanti - 15th Ram Navami - 18th Mahanavadi Jayanti OCTOBER - 14th Anantashayam Jayanti - 15th Ram Navami - 18th Mahanavadi Jayanti NOVEMBER - 14th Anantashayam Jayanti - 15th Ram Navami - 18th Mahanavadi Jayanti DECEMBER - 20th Christmas Day

AVAILABLE IN :

20" x 30" (Regular Crystal)
(Date)

424



ਜਪਜੀ ਸਾਹਿਬ

ੴ ਨਵੇਂ ਸੋਚਿਨਾਮੁ ਕਰਤਾ ਪੁਰਖੁ ਨਿਰਭਉ ਨਿਰਵੈਰੁ ਅਕਾਲ ਪੁਰਖਿ ਅਚੁਨੀ ਸੇਧੈ ਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ॥ ਜਪੁ ॥ ੴ

ਸਾਹਿਬ ਜਪੁ ਕਰਾਇ ਸਭੁ ॥ ਦੋ ਕੀ ਸਭੁ ਨਾਨਕ ਹੋਸੀ ਕੀ ਸਭੁ ੨੧੨ ॥ ਸੋਚੇ ਸੋਚਿ ਨ ਹੋਵਈ ਜੇ ਸੋਚੀ ਸਮੁ ਭਾਭ ॥ ਭੁਧੇ ਭੁਧੁ ਨ ਹੋਵਈ ਜੇ ਨਾਇ ਕਰਾ ਵਿਭ ਭਾਭ ॥ ਭਵਿਯਾ ਭੁਧੁ ਨ ਹੋਵਈ ਜੇ ਬੋਲਾ ਪ੍ਰਤੀਆ ਭਾਭ ॥ ਸਭਸੁ ਵਿਭਾਗਭਾ ਸਮੁ ਹੋਇ ਤੁ ਵਿਭ ਨ ਬਲੈ ਨਾਇ ॥ ਵਿਭ ਸੋਚਿਯਾਭਾ ਹੋਈਯੋ ਵਿਭ ਭੁਧੇ ਭੁਧੈ ਪਾਇ ॥ ਪੁਰਖਿ ਕਰਾਈ ਕਰਤਾ ਨਾਨਕੁ ਨਿਖਿਯਾ ਨਾਇ ੨੧੩ ॥ ਹੁਕਮੀ ਹੋਵਹਿ ਆਕਾਸੁ ਹੁਕਮੁ ਤੁ ਭਵਿਯਾ ਚਾਈ ॥ ਹੁਕਮੀ ਹੋਵਹਿ ਸ਼ੀਤੁ ਹੁਕਮਿ ਨਿਲੈ ਭਵਿਯਾਧੀ ॥ ਹੁਕਮੀ ਚਿਤੁ ਨੀਤੁ ਹੁਕਮਿ ਨਿਖਿ ਧੁਭੁ ਭੁਧੁ ਪਾਈਯਹਿ ॥ ਵਿਭਕਤਾ ਹੁਕਮੀ ॥ ਬਖਸੀਸੁ ਵਿਭਿ ਹੁਕਮੀ ਸਭਾ ਕਥਾਈਯਹਿ ॥ ਹੁਕਮੇ ਅਚਰਿਤੁ ਸਭੁ ਜੇ ਧਾਰਇ ਹੁਕਮੁ ਨ ॥ ਕੋਇ ॥ ਨਾਨਕ ਹੁਕਮੀ ਜੇ ਭੁਧੇ ਤੁ ਧਰੁਇ ਕਰੇ ਨ ॥ ਕੋਇ ॥ ੨ ॥ ਕਾਕੇ ਕੇ ਭਾਭੁ ਹੋਇ ਕਿਸੇ ਭਾਭੁ ॥ ਕਾਕੇ ਕੇ ਭਾਇ ਭਾਈ ਨੀਯਾਭੁ ॥ ਕਾਕੇ ਕੇ ਗੁਣ ਭਵਿਯਾਧੀਆ ਚਾਭ ॥ ਕਾਕੇ ਕੇ ਵਿਭਿਯਾ ਭਿਯੁ ਭੀਯਾਭੁ ॥ ਕਾਕੇ ਕੇ ਸਾਹਿਬ ਕਰੇ ਭਭੁ ਧਰੁ ॥ ਕਾਕੇ ਕੇ ਸੀਖ ਲੈ ਵਿਭਿ ਧਰੁ ॥ ਕਾਕੇ ਕੇ ਸਰਪੇ ਕਿਸੇ ਧਰੁ ॥ ਕਾਕੇ ਕੇ ਭੇਰੇ ਧਾਭਾ ਧਰੁਇ ॥ ਕਥਨਾ ਕਈ ਨ ਆਕੈ ਭੋਇ ॥ ਕਹਿ ਕਹਿ ਕਈ ਕੋਈ ਕੋਇ ਕੋਇ ॥ ਦੇਖਾ ਕੇ ਲੋਚੈ ਕਹਿ ਪਾਇ ॥ ਸੁਭਾ ਸੁਭੋਚਿਯਾ ਧਾਈ ॥ ਹੁਕਮੀ ਹੁਕਮੁ ਕਰਾਏ ਭਾਭੁ ॥ ਨਾਨਕੁ ਵਿਭਾਏ ਕੇਧੁਭਾਭੁ ॥ ੨ ॥ ਸਾਭਾ ਸਾਹਿਬੁ ਸਾਭੁ ਨਾਇ ਭਾਇਆ ਭਾਭੁ ਆਭਾਭੁ ॥ ਆਖਇ ਮੇਰਾਇ ਹੋਇ ਕੋਇ ਚਾਇ ਕਰੇ ਚਾਭਾਭ ॥ ਕੋਇ ਕਿ ਅਕੈ ਕਈਯੋ ਕਿਭੁ ਕਿਸੇ ਚਾਭਾਭੁ ॥ ਭੁਧੇ ਕਿ ਕੋਭਟੁ ਕੋਈਯੋ ਕਿਭੁ ਸੁਇ ਧਰੇ ਧਿਯਾਭੁ ॥ ਆਖਿਯ ਕੋਭਾ ਸਭੁ ਨਾਇ ਭਵਿਯਾਧੀ ਕੋਭਾਭੁ ॥ ਕਰਾਈ ਆਕੈ ਕਰਭਾ ਨਾਭਾਈ ਸੋਭੁ ਚਾਭਾਭੁ ॥ ਨਾਨਕੁ ਕੋਕੈ ਸਾਭੀਯੋ ਸਭੁ ਅਰਪੇ ਸਭਿਯਾਭੁ ੨੧੪ ॥ ਭਾਇਆ ਨੁ ਸਾਹਿਬ ਕੀਤਾ ਨੁ ਹੋਇ ॥ ਆਪੇ ਆਪਿ ਨਿਰਭਉ ॥ ਕੋਇ ॥ ਵਿਭਿ ਸੋਚਿਯਾ ਵਿਭਿ ਪਾਇਆ ਭਾਭੁ ॥ ਨਾਨਕੁ ਭਾਭੀਯੋ ਕੁਈ ਨਿਯਾਭੁ ॥ ਕਾਭੀਯੋ ਸੁਣੀਯੋ ਮਹਿ ਕਈਯੋ ਭਾਭੁ ॥ ਧੁਭੁ ਧਰੁ ਹਰਿ ਸੁਭੁ ਧਰਿ ਕੈ ਸਾਹਿ ॥ ਗੁਰਮੁਖਿ ਨਾਦੈ ਗੁਰਮੁਖਿ ਬੋਲੈ ਗੁਰਮੁਖਿ ਕਹਿਯਾ ਸਮਾਈ ॥ ਗੁਰੁ ਗੋਬਿੰਦੁ ਗੁਰੁ ਗੋਬਿੰਦੁ ਬਨਾ ਗੁਰੁ ਪਾਥਸਤੀ ਆਈ ॥ ਜੇ ਹਉ ਸਾਭਾ ਆਪਾ ਨਾਪੀ ਕਰਤਾ ਕਰਨੁ ਨ ਆਈ ॥ ਗੁਰਾ ਇਕ ਹੋਇ ਕਥਾਈ ॥ ਸੁਭਨਾ ਸੀਖਾ ਕਾ ਇਕੁ ਚਾਭਾ ਜੇ ਜੇ ਵਿਭਾਇ ਨ ਆਈ ੨੧੫ ॥

AVAILABLE IN :

20" x 30" (Regular Crystal)
(Japuji)

425



AVAILABLE IN :

20" x 30" (Regular Crystal)
(Muslim)

426